ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-७२
दिनांक- मंगलवार, १३ अक्टूबर, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.८ एवं २५.१ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८५ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ८० प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.७ एवं दोपहर में ३३.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१४-१८ अक्टूबर, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १४-१८ अक्टूबर तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। इस अवधि में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३४ से ३७ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २६-२८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पुरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन ४-६ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ६० से ७० प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ५० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई अगात धान एवं मक्का की तैयार फसलों की कटाई एवं झराई करें। रबी फसल के लिए खेत की तैयारी करें। फसलों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। खड़ी फसलों में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें। १५ अक्टूबर के बाद शरदकालीन गन्ना की रोपाई की जा सकती है।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्शन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंशित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर १८-२० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दूरी ३०x२० से०मी० रखें। बीज को २.५ ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें। खेत की जुताई में १०० से १५० सड़ी गोबर की खाद, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- बालियाँ निकलने तथा दूध भरने की अवस्था वाली धान की फसल में गंधी बग कीट की निगरानी करें। फसल में कीट की संख्या अधिक पाये जाने पर, इसकी रोक-थाम के लिए फॉलीडाल १० प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर १०-१५ किलोग्राम की दर से भूरकाव बालियों पर करें।
- सब्जियों की फसल जैसे बैगन, टमाटर, फुल गोभी एवं मिर्च में फल छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ इ०सी०/1 मि०ली० प्रति ४ ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- मिर्च, फुलगोभी, टमाटर एवं बैगन की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। फुलगोभी की फसल में पत्ती खाने वाली कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फूलगोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इस कीट से वचाव हेतु स्पेनोसेड ४८ इ०सी० दवा एक मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। फूलगोभी की पिछात किस्मो जैसे माघी, स्नोकिंग, पूसा स्नोकिंग-१, पूसा-२, पूसा स्नोवॉल-१६, पूसा स्नोवॉल के-१ की बुआई नर्सरी में करें।
- मसुर के मल्लिका(के०-७५), अरुण (पी०एल० ७७-१२), बी०आर०-२५ के०एल०एस०- २१८, एच०यू०एल०-५७, पी०एल०-५ एवं डब्लू०वी०एल० ७७ किस्मो की बुआई १५ अक्टुबर के बाद कर सकते है। बुआई के समय खेत की जुताई में २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के २-३ दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फूंदनाशक दवा का १.० ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पश्चात कीटनाशी दवा क्लोरपाईरीफॉस २० ई.सी. का ८ मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (५ पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दाने की प्रजाति के लिए बीज दर ३०-३५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बड़े दाने के लिए ४०-४५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बुआई की दूरी पंक्ति से पंक्ति ३० से०मी० रखें।
- सूर्यमुखी की बुआई करे। बुआई के समय खेत की जुताई में ३०-४० किलोग्राम नेत्रजन, ८०-६० किलोग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी०ओ०-१ एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-४४, एम०एस०एफ०एच०-१, एम०एस०एफ०एच०-८ एवं एम०एस०एफ०एच०-१७ अनुसंशित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को २ ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- तोरीया की आर०ए०यु०टी०एस०-१७,पंचाली, पी०टी०-३०३ एवं भवानी प्रभेद की बुआई संपन्न करें। सरसों एवं राई की बुआई करें। सरसों के लिए उन्नत प्रभेद ६६-१९७-३, राजेन्द्र सरसों-१ तथा स्वर्णा एवं राई के लिए किस्में वरुणा, पूसा वोल्ड, क्रान्ति एवं पूसा महक इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित हैं। बीज दर ५ किलोंग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बुआई ३०X१० से०मी० पर कतार में करें। बुआई के समय खेत की जुताई में ३०-४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर, ४० किलोग्राम पोटास एवं ३० से ४० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।

आज का अधिकतम तापमानः ३३.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.३ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २६.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.७ डिग्री अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी